वर्कशॉप में गृहिणियां सीख रहीं होम डेकोरेशन

अधूरे ख्वाबों को पूरे करने के लिए उम्र का कोई बंधन नहीं

दबंग रिपोर्टर ✡ इंदौर

सीखने की कोई उम्र नहीं होती, बस जिद होना चाहिए। वर्किंग व हाउस वाइफ्स या यह कह सकते हैं कि सभी महिलाएं अब वह आर्ट सीख रही हैं जो उनके समय में नहीं था। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के लाइफ लांग लर्निंग सेंटर में हर शनिवार का नजारा कुछ अलग ही रहता है, क्योंकि वह युवाओं की जगह महिलाओं से भरा रहता है। महाविद्यालय में दोपहर को महिलाओं को आर्ट एंड क्राफ्ट की क्लासेस दी जा रही हैं। वे त्योहारों के अनुसार ईको फ्रेंडली गणेशजी, नवरात्र पर ज्वेलरी मेकिंग, ग्रीटिंग कार्ड, दिया मेकिंग, वेस्टेज मटेरियल से एंटिक शोपीस, नेम प्लेट बनाना सीख रही हैं। पिछले वर्ष से चल रही इस क्लास से अब तक 32 महिलाएं जुड़ चुकी हैं।

हर गतिविधि से जोड़ा- लाइफ लांग लर्निंग की हेड ऑफ डिपार्टमेंट भारती जोशी ने बताया वे उन महिलाओ को जागरूक करना चाहती हैं जो घर में जिम्मेदारियों से घिरी रहती हैं और बाहर की दुनिया से बेखबर है। समाज की गतिविधियों से दूर है और यदि बच्चे को स्कूल से प्रोजेक्ट्स भी मिलते हैं तो वह उनकी मदद भी नहीं कर पाती है।

महिलाएं हमेशा कुछ न कुछ सीखती हैं

आर्ट स्टूडेंट और प्रो. संगीता जोशी ने कहा सीखना मानव के जीवन का आधार है। प्रत्येक मानव को सीखते रहना चाहिए, जिससे वह हमेशा खुद को बच्चा समझ नया सीखने की चाह रखेगा। महिलाएं कुछ न कुछ सीखती रहती हैं चाहे वह मोबाइल, टीवी, किताब या पेपर से हो, लेकिन इस बार कुछ अलग कर उन्हें किचन से बाहर लाकर अब हम आर्ट एंड क्राफ्ट की क्लास दे रहे हैं।

उम्र कोई बाधा नहीं

स्टूडेंट गुरप्रीत कौर भाटिया ने बताया वे फर्स्ट डे से यहां आ रही हैं, वे इन सभी चीजो को बहुत ही उत्साह से सीखती हैं, उनके समय स्कूल में आर्ट एंड क्राफ्ट की क्लासेस न होने से वे तब इन चीजों को नहीं सीख पाईं थीं, लेकिन अब यह मौका मिला है। वे कहती हैं कि सीखने की कोई उम्र नही होती। न ही उम्र किसी काम में बाधा बनती है बस आपमें सीखने की ललक होनी चाहिए।